

बिजयनगर ब्लैकमेल कांड : आरोपियों के साथ पेशी के दौरान वकीलों ने मारपीट की

मामले में अभी तक पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार व तीन नाबालिगों को निरुद्ध किया है

अजमेर, (कासं)। ब्यावर जिले के बिजयनगर में नाबालिग छात्राओं से रैप व ब्लैकमेल कांड के मुखिया पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी को सोमवार को लंबे समय के रिमांड के बाद अजमेर की कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान अजमेर कोर्ट में वकीलों ने कुरेशी की पिटाई कर दी, जिसके बाद पुलिस ने बीच बचाव करते हुए कुरेशी को कोर्ट से पुलिस वेन में लेकर रवाना हुई। इससे पहले भी इस मामले में अजमेर के वकीलों ने

पिटाई की थी। सरकारी वकील रूपेंद्र सिंह परिहार ने सोमवार को रिमांड के बाद हाकिम कुरैशी को अदालत में पेश किया था। कुरैशी को कोर्ट ने 11 मार्च तक जेल भेज दिया। इस मामले में अभी तक पुलिस ने 10 आरोपियों गिरफ्तार व तीन नाबालिगों को निरुद्ध किया है।

■ **सोमवार को अजमेर जिले का श्रीनगर कस्बा पूरी तरह बंद रहा, व्यापारियों ने समर्थन दिया**

की पांक्सो कोर्ट में पेश किया। सरकारी वकील रूपेंद्र परिहार ने बताया कि आरोपियों का सहयोग करने वाले पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने

दो बार उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया था, सोमवार को रिमांड अवधि समाप्त होने पर पांक्सो कोर्ट में पेश किया गया। जहां उन्हें 11 मार्च तक न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए गए।

गौरतलब है कि प्रकरण में अन्य आरोपी सोहेल, रेहान, श्रवण जाट, करीम, आशिक, लुकमान, अफराज, पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी, जावेद, कैंफे संचालक सांवरमल न्यायिक अभिरक्षा में हैं, साथ ही मामले में 3 नाबालिगों

को बाल सुधार गृह में भेजा गया है। वहीं ब्लैकमेल कांड को लेकर सकल हिंदू समाज में आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। सोमवार को अजमेर जिले का श्रीनगर कस्बा पूरी तरह बंद रहा, व्यापारियों ने दुकानें बंद का समर्थन करते हुए प्रतिष्ठान बंद रखे। बंद के दौरान स्कूल, मेडिकल शॉप, बस सड़हत अन्य सेवा बहाल रही। ग्रामीणों ने रैली निकाल कर आरोपियों को फांसी दिए जाने और सीबीआई जांच की मांग की।

तोड़फोड़ और फायरिंग करने के मामले में रिपोर्ट मांगी

श्रीगंगानगर, (निर्सं)। महिाँवाली में 1 फरवरी को इन्द्राज खान के घर पर जानलेवा हमले, तोड़फोड़ और फायरिंग के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने नोटिस में पुलिस अधीक्षक से 4 सप्ताह के भीतर कार्यवाही रिपोर्ट आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश जारी किया है।

पीड़ित ने बताया कि उक्त घटना के बाद चुनावट पुलिस लगातार केस को झूठा साबित करने और मामले को रफा-दफा करने में लगी है। मैंने वह विषय पुलिस महानिदेशक और आईजी बीकानेर को भी अवगत कराया है। घटना के बाद से पूरा परिवार पुलिस निष्क्रियता के चलते भयभीत है। हमने पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर से भी सुरक्षा की मांग की है और उनसे मिलकर भी आये हैं। मामले में रजत, प्रिंस, युवराज, सबीर उर्फ मोनू, सीमा देवी और अमन पत्नी अमन सोनी मुख्य आरोपी है।

पीड़ित ने बताया कि पुलिस सभी तक मामले में दो महिला अभियुक्तों सीमा देवी और अमन पत्नी अमन सोनी को नहीं पकड़ रही है जो कि पूरी घटना के मास्टरमाइंड है। सभी अभियुक्तों को राजनितिक संरक्षण प्राप्त है। अमन सोनी और सीमा देवी को अभी तक पुलिस ने पृष्ठताछ के लिए भी नहीं बुलाया है। पीड़ित इन्द्राज खान ने 18 फ़रवरी को आयोग के सदस्य प्रियांक कानुनगो को पत्र लिखकर पुलिस की निष्क्रियता और अपराधियों को दिए जा रहे संरक्षण का

मामला अवगत करवाया था जिस पर आयोग ने केस दर्ज कर श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक को चार सप्ताह में करवाई रिपोर्ट भेजने के लिए निर्देश दिया है। यहां तक कि पुलिस एफआईआर में अभियुक्त अमन पत्नी अमन सोनी का नाम है, लेकिन उसने अपनी राजनीतिक पहुँच के चलते अपनी जगह अपने पति को जेल भिजवा दिया जबकि घटना में वह खुद शामिल थी। दोनों को नाम एक जैसा होने का फायदा उठाकर, चुनावट पुलिस अमन के साथ मिलकर उसका नाम हटाने में है, जबकि वह और सीमा देवी घटना की मास्टरमाइंड हैं जो अभी तक गिरफ्तार नहीं हुईं हैं। अपराधियों ने यहाँ तक कि अपने सोशल मीडिया पर चुनावट पुलिस के साथ बैठे नज़र आ रहे हैं, और धमकी भर गाँवों का इस्टेमाल कर रहे हैं। पीड़ित के अनुसार मैंने यह अभियुक्तों के रीस्त्व और सोशल मीडिया पोस्ट्स आईजी की भी भिजवाए थे और पुलिस द्वारा उनको संरक्षण दिए जाने का मामला उनके समक्ष रखा था।

मामला मीडिया में आने के बाद और पुलिस महानिदेशक को शिकायत के बाद पुलिस ने 18 फ़रवरी को अभियुक्त रजत उर्फ डॉलर और अमन सोनी (अभियुक्त अमन का पति) को गिरफ्तार कर जेल भेजा लेकिन पुलिस ने मिली-भगत से एक जैसा नाम होने का फायदा उठाकर अमन सोनी को अभियुक्त बनाकर जेल भेज दिया जिनको कोर्ट द्वारा 24 फ़रवरी को जमानत दे दी गई।

हमले में एक घायल

भीलवाड़ा, (निर्सं)। जिले के हमीरगढ़ क्षेत्र में संगम इंडिया लिमिटेड, डेनिम के मैनैजर संजय व्यास पर सोमवार सुबह बीएसएल गेट के पास एक दर्जन से ज्यादा लोगों ने कातिलाना हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल व्यास को उपचार के लिए शहर के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के अनुसार संजय व्यास संगम इंडिया लिमिटेड, डेनिम यूनिट, बीलियाकलां में मैनैजर के पद पर कार्यरत है। व्यास सोमवार सुबह अपने घर से ऑफिस जा रहे थे। इस दौरान उनकी कार को बीएसएल गेट के नजदीक देवनारायण मंदिर के सामने ब्रेकर पर बाबू गुर्जर, बृजेश गुर्जर, गोपाल गुर्जर व कमलेश गुर्जर सहित 10–15 लोगों ने रोक और गाली-गलौच करते हुए लोहे के पाइप व सफियों से व्यास पर कातिलाना हमला कर दिया। हमले में उनके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं और वे लूटुहान हो गये।

चाकूबाजी के मामले में तीन गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निर्सं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने गत दिनों पीपन्टी चौघाट पर हुई चाकूबाजी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी सुरजीत सिंह ने बताया कि शाहपुरा हाल पटेल नगर निवासी चांद खां पुत्र शोक्त खान कायमखाने ने 25 जनवरी को प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 24 जनवरी को उसका बेटा इरशाद, बाबू उर्फ विश्वजीत, लोकेश, अक्षत, भरत एसटेक स्कूल के पास बैठकर कार्यालय संबंधित मीटिंग कर रहे थे। बातो ही बातों में लोकेश बलाई व बाबू के बीच विवाद हो गया। दोनों ही पक्ष वहां से रवाना होकर रात 11:30 बजे आपस में इन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इन मामलों को लेकर आरोपियों से भी बातचीत करने की कोशिश की गई। लेकिन उनसे बातचीत नहीं हो पाई। जिनके पक्ष का हमें इंशकार रहेगा।

केडिया ने बताया कि उनसे जब पृष्ठताछ की जाएगी तो ऐसे सारे सबूत वें जांच में शामिल करवाने का प्रयास करेंगे। साथ ही आरोपियों के अपराधिक रिकार्ड और पुलिस द्वारा समय-समय पर की गई आरोपियों के विरुद्ध टिप्पणों को भी उपलब्ध करवाएंगे।

वन अधिकारी की हत्या पर श्रीगंगानगर में आक्रोश फैला

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने और परिजनों को मुआवजा देने की मांग

श्रीगंगानगर, (निर्सं)। जिले में राजस्थान वन अधीनस्थ कर्मचारी संघ और रेंजर एसोसिएशन ने स्थानीय प्रशासन को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में 24 फरवरी को राजसमंद जिले में खनन माफिया के द्वारा क्षेत्रीय वन अधिकारी किशोर कुमार की हत्या करने के मामले में आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इसके साथ ही मृतक क्षेत्रीय वन अधिकारी किशोर कुमार को शहीद का दर्जा देने के साथ ही परिजनों को एक करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने की मांग की गई है।

राजीव बिशोई ने बताया कि 24 फरवरी को राजसमंद जिले के बिजा गुड्डा में वन भूमि पर अवैध खनन को रोकने के दौरान खनन माफिया द्वारा क्षेत्रीय वन अधिकारी किशोर कुमार और वन रक्षक विष्णु कुमार पर ट्रैक्टर से हमला किया

गया। इस हमले में किशोर कुमार की मौत हो गई, जबकि विष्णु कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रेम प्रकाश शुक्ला ने कहा कि यह घटना वन विभाग के कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर अतिक्रमण के मामलों में बढ़ती घटनाओं के बावजूद वन विभाग के पास पर्याप्त संसाधन और स्टाफ की कमी है, जिससे कर्मचारियों की सुरक्षा खतरे में है। इस सिलसिले में राज्य सरकार से मांग की गई है कि इस मामले में तुरंत और कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही मृतक किशोर कुमार को शहीद का दर्जा दिया जाए और उनके परिवार को एक करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता दी जाए। इसके अलावा घायल वन रक्षक विष्णु कुमार को उनके साहसिक कार्य के लिए गैलेंट्री पदोत्रति दी जाए और राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाए। इसके साथ ही राज्य के

प्रत्येक वन रेंज में पर्याप्त वाहन और स्टाफ की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से निपटा जा सके।

सीएम के नाम दिए गए ज्ञापन के कर्मचारियों को प्रशिक्षण के बावजूद आवश्यक हथियारों की अनुपलब्धता और सीमित स्टाफ की स्थिति में कार्य करना पड़ता है, जिससे उनकी सुरक्षा पर लगातार खतरा मंडराता है। इस मामले में राज्य सरकार से अपील की गई है कि क्षेत्रीय वन अधिकारियों को केंद्र सरकार के मानकों और अन्य राज्यों की तरह सभी आवश्यक सुविधाएं और शक्तियां प्रदान की जाएं, ताकि अवैध खनन और अतिक्रमण में एवं अभिहत प्रभािकारी की जा सके। सभी कर्मियों ने राज्य सरकार से तुरंत कदम उठाने की मांग की है।

बरामद किए कंकाल की पहचान हुई

पिता ने कपड़ों के टुकड़ों के आधार पर पहचान की थी

श्रीगंगानगर, (निर्सं)। चुनावढ़ पुलिस द्वारा 24 एमएल रोही से बरामद किए गए कंकाल की दो मार्च को पहचान हो गई है। यह अबोहर की ऋषि कॉलोनी की गली नंबर एक निवासी 26 वर्षीय अनारक अरोड़ा पुत्री हरिकिशन अरोड़ा का शव था। वंदना के पिता ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में अपनी बेटी के शव-विशत कंकाल के शेष बचे पहने कपड़ों के टुकड़ों के आधार पर पहचान की थी।

जानकारी के अनुसार वंदना 22 फरवरी से लापता थी। उसने अपनी दाईं साल की बेटी को साथ लेकर बीकानेर कैनाल में छलांग लगाकर आत्महत्या की थी। वंदना के पिता को और से 26 फरवरी को अबोहर सिटी में नहर के अंदर से किसाना की सूचना पर बरामद किया था। इसकी पहचान को खबरें प्रकाशित करवाई थी। इसके साथ ही पंजाब और गंगनहर के आसपास के थानों को सूचना ई-मेल से भिजवाई गई थी ताकि इसकी पहचान हो सके।

पूर्व पदाधिकारी पर दो करोड़ का गबन करने का आरोप

अजमेर, (कासं)। जनाना अस्पताल के पास श्री वाटिका अपार्टमेंट से संबंधित करीब दो करोड़ की राशि गबन करने का आरोप सोसायटी के पूर्व पदाधिकारी मनोज गुर्जर पर लगाया है। आरोप है कि मनोज गुर्जर ने सोसायटी की महिला उपाध्यक्ष और उसके पति के साथ रविवार को मारपीट की। महिला नेहरू अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती है, जबकि आरोपित के खिलाफ क्रिश्चनगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

इस संबंध में पुलिस को घटना की रिपोर्ट देने वाले अमन शर्मा पुत्र अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि श्री वाटिका सोसायटी में फ्लैट है जो सोसायटी ने जरूरतमंदों को आवंटित किए हैं। इस सोसायटी के माध्यम से पूरे अपार्टमेंट में करीब साढे चार सौ फ्लेट बने हुए है। अमन कुमार का आरोप है कि पूर्व

■ **जनाना अस्पताल के पास श्री वाटिका अपार्टमेंट से संबंधित करीब दो करोड़ की राशि गबन का आरोप**

में मनोज गुर्जर सोसायटी का काम देखाता था। इस बीच उसने फर्जी दस्तावेज लगाकर सोसायटी की सवा करोड़ रूपए की एफडी तुड़वाकर अपने उपयोग में ले ली। इसके अलावा करीब एक करोड़ रूपए आवंटन राशि में से भी हड़प कर ली। इस संबंध में सोसायटी के पदाधिकारियों ने कई बार कहा व रकम वापस देने के लिए कहा तो वह टालता रहा। सोसायटी ने उसे काम से हटा दिया और गबन से संबंध में क्रिश्चनगंज पुलिस थाने में लिखित में शिकायत की गई है। अमन का कहना था कि 28 फरवरी को वह अपनी पत्नी और सोसायटी की उपाध्यक्ष शिवानी के साथ श्री वाटिका आया था। जहां मनोज

गुर्जर उसे मिलता और उसने जबरन उसे धमकी देना व अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली गलौच करना शुरू कर दिया। मनोज का आरोप है कि इस दौरान मोके पर भीड़ एकत्रित हो गई। लोगों ने भी उसे समझाया, लेकिन उसने डंडे से हमें मारना शुरू कर दिया। उसने मुझे भी डंडे से मारा और पत्नी के सिर पर भी डंडे से प्रहार कर दिया, जिससे उसके सर से खून बहने लगा। मनोज का कहना था पत्नी शिवानी को नेहरू अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में पुलिस को लिखित में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। घटना के बाद मनोज गुर्जर फरार बताया जाता है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

फर्जी दस्तावेज बनाने के मामले में आईएएस अधिकारी को कोर्ट ने तलब किया

ब्यावर, (निर्सं)। आवासीय क्षेत्र में वाणिज्यिक गतिविधियां संचालित किये जाने के मामले में फर्जी दस्तावेज बनाकर उस पर फर्जी हस्ताक्षर के एक मामले में ब्यावर कोर्ट ने आईएएस अधिकारी मृदुल सिंह व अन्य को तलब किया है।

तेजा चौक तम्बाकू गली ब्यावर निवासी कन्हैयालाल साहू के एक मामले में उसके पड़ोसी रमेश कुमार सोनी द्वारा नगर परिषद ब्यावर से आवासीय जायदाद की निर्माण स्वीकृति लेकर उसमें वाणिज्यिक गतिविधियां संचालित कर ली थी, जिसे लेकर कन्हैयालाल साहू ने सूचना के अधिकार कानून 2005 के तहत नगर परिषद ब्यावर ने उक्त निर्माण के संबंध में जानकारीयां चाही थी जिस पर सूचना नहीं मिलने पर कन्हैयालाल साहू को

राजस्थान राज्य सूचना आयोग जयपुर में द्वितीय अपील करनी पड़ी, जिस पर आयोग द्वारा नगर परिषद ब्यावर को आदेश देते हुए 15 दिवस में निःशुल्क सूचना देने के आदेश दिये थे। तत्समय तत्कालीन नगर परिषद आयुक्त आईएएस मृदुल सिंह थे जो कि लोक सूचना अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, लेकिन नगर परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अवैध निर्माणकर्ता रमेश कुमार सोनी व अन्य के साथ मिलीभगत कर राजस्थान राज्य सूचना आयोग जयपुर के आदेश पर सूचना देने से बचने के उद्देश्य से नगर परिषद ब्यावर में ही कन्हैयालाल साहू के नाम से न केवल जाली व कूटरचित संतुष्टि पत्र बना डाला, बल्कि उक्त कूटरचित दस्तावेज पर कन्हैयालाल साहू के फर्जी हस्ताक्षर तक कर दिये व उक्त कूटरचित संतुष्टि

पत्र को असली बताते हुए राजस्थान राज्य सूचना आयोग जयपुर को भिजवा दिया। उक्त फर्जीकारिता व कूटरचना की जानकारी होते ही कन्हैयालाल साहू ने तुरन्त इसकी जानकारी तत्कालीन नगर परिषद आयुक्त आईएएस मृदुल सिंह को व्यक्तिगत उपस्थित होकर लिखित में दी लेकिन मृदुल सिंह ने कोई कार्यवाही नहीं की जिस पर परिव्रादी ने जिला कलेक्टर ब्यावर व निदेशक स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान सरकार जयपुर को भी लिखित शिकायत दी, लेकिन उन्होने भी अपने अधिकारियों को व अन्य दोषीयों को बचाने के उद्देश्य से जानबूझकर कोई कार्यवाही नहीं की। जिस पर मजबूर होकर पीड़ित कन्हैयालाल साहू ने अपने अधिवक्ता नीलेश बुइड़ के मार्फत

दो पत्रकारों ने एक व्यक्ति से ब्लैकमेल कर एक लाख मांगे

झूंझुनूं, (निर्सं)। जिला मुख्यालय के दो पत्रकारों ने एक व्यक्ति से एक लाख रूपए की अनुचित मांग की। पैसे नहीं देने और उनकी बात नहीं मानने पर इस व्यक्ति के खिलाफ गलत तथ्यों के साथ खबरें प्रकाशित कर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन अब इस मामले में पीड़ित ने थाने में पत्रकारों और उनके साथ षडयंत्र में शामिल लोगों के खिलाफ कोतवाली में मामला दर्ज कराया है। पीड़ित भी पेशे से पत्रकार है।

पुलिस में दर्ज करवाई एफआईआर के अनुसार जिला मुख्यालय पर कार्यरत पत्रकार संदीप केडिया ने झूंझुनूं के पत्रकार पिताम्बर शर्मा, प्रदीप गढ़वाल, सुरेश सैनी, चुरू के पत्रकार राधेश्याम चोटिया, दो समाचार पत्रों के संपादक तथा उनके चुरू व झूंझुनूं सम्ती अल्लाबा बाल कल्याण समिति झूंझुनूं की पूर्व अध्यक्ष अर्चना चौधरी, उनके पति कर्नल दिनेश कुमार तथा एक एनजीओ संचालक बनवारीलाल सैनी व एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है, जिसमें परिव्रादी संदीप केडिया ने आरोप लगाया कि पिताम्बर शर्मा, प्रदीप

■ **मामले में पीड़ित ने थाने में कोतवाली में मामला दर्ज कराया है**

गढ़वाल, बनवारीलाल सैनी तथा राधेश्याम चोटिया चुरू ने उसके एक लाख रूपए और बाल कल्याण समिति की पूर्व अध्यक्ष अर्चना चौधरी तथा उसके पति कर्नल दिनेश कुमार से माफ़ी मांगने की बात कही। जब संदीप केडिया ने आरोपियों की बात नहीं मानी तो उन्होंने चुरू में दर्ज एक पांक्सो मामले की पुरानी खबर को गलत तथ्यों के साथ सोशल मीडिया पर वायरल किया।

इसमें उन्होंने कोर्ट के सही तथ्यों से परे गलत तथ्यों को सोशल मीडिया व समाचार पत्रों में प्रसारित किया। इसके अलावा एक पांक्सो पीड़िता की पहचान को भी उजागर कर पांक्सो एक्ट का उल्लंघन किया। आरोपियों ने षडयंत्र रचकर संदीप केडिया के खिलाफ पूर्व में दी गई धमकी को अनसारा चुरू में एक झूठा पांक्सो का मामला भी दर्ज करवाया। इस मामले की रिपोर्ट कोतवाली में अक्टूबर 2०24 में दी गई



15 समाजों के 1०0 से अधिक लोगों ने बारारतियों का स्वागत किया।

पंच पटेलों एवं सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने मिलकर दूध्हे को बग्गी (रथ) पर बिठाकर धूमधाम में कालू हरिजन का वन्देमारमृत, जय श्री राम के नारों के साथ निकासी निकाली। बारारत में आये वाल्मीकी समाज के 75 वर्षीय बुजुर्ग ने बताया कि ऐसा सम्मान पाकर हमारा

जीवन धन्य हो गया है। समस्त ग्रामीणों को ऐसा दृश्य देखकर प्रसन्नता हुई। कार्यक्रम में कृष्णवल्लभ शर्मा,पवन कुमार गुप्ता, बाबूलाल स्वामिनियुक्तरेवले, पप्पू लाल मीना, मुनेश चंद मीना, चिरंजी पटेल, रामभरोसी डीनर, जनमेद पटेल, शिवकुमार गुप्ता, रामधन

डाबिर, अमृतलाल जाखौदा, लक्ष्मी पटेल, श्याम सुंदर इनायती, बजरंगलाल पटेल, रामनिवास मीना, मनकेश, सुदज्ञानी, मुकेश, बाबूलाल सैनी, राजेन्द्र मीणा, मदनमोहन कांबटी, भरतलाल रानीपुरा एवं ग्रामवासियों का सहयोग रहा।